# विशेषण

## विशेषण की परिभाषा

संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं;

जैसे - काला, छोटा, लम्बा, ऊँचा, भारी, सुन्दर, एक, दो आदि।

**उदाहरण के लिए -**

मीना अपने घर में एक पार्टी दे रही है। उसके लिए उसने कुछ ज़रूरी सामान की सूची तैयार की है -

1. एक किलो रसगुल्ले

2. लाल रंग के रिब्बन

3. चटपटी आलु भुजिया का पैकेट

4. क्रीमी चॉकलेट पेस्ट्री

5. एक बड़ी टेबल

6. प्रन्द्रह कुर्सियाँ

7. दस समोसे

उपयुक्त सूची में **एक किलो, लाल, चटपटी, क्रीमी, एक, पन्द्रह** आदि रेखांकित शब्द संज्ञा व सर्वनाम की विशेषता बता रहे हैं। इन्ही शब्दों को विशेषण कहा जाता है।

जिस तरह संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

उसी तरह जिस शब्द की विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहा जाता है;

जैसे - लाल गुलाब ।

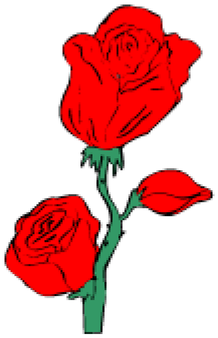

विशेषण के चार भेद माने जाते हैं -

(क) गुणवाचक विशेषण

(ख) संख्यावाचक विशेषण

(ग) परिमाणवाचक विशेषण

(घ) सार्वनामिक विशेषण

## गुणवाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द (संज्ञा व सर्वनाम) के गुण दोष, रंग, आकार, अवस्था व स्थिति आदि की विशेषता का ज्ञान (बोध) कराए, उसे गुणवाचक विशेषण कहते हैं;

जैसे - बड़ा, काला, लंबा, दयालु, भारी, सुन्दर, कायर, टेढ़ा-मेढ़ा, एक, दो आदि।

राम **ऊँचे कद** के हैं। वे **दुबले** हैं। उनकी आँखें **काली** व **बड़ी** हैं। उनके दांत मोतियों की तरह **सफ़ेद व चमकदार** हैं। वे **सांवले** रंग के हैं। उनकी वेशभूषा बहुत ही **साधारण** है। वे हमेशा पेन्ट व कमीज़ ही पहना करते हैं। वे **काले रंग** के जूते पहनना पसन्द करते हैं।

उपर्युक्त गद्य में राम की सभी विशेषताओं को लकीरों द्वारा दर्शाया गया है, ये सभी गुणवाचक विशेषण कहलाते हैं। परन्तु ये ज़रूरी नहीं है कि विशेषण किसी 'व्यक्ति' विशेष के दोष व गुण को ही बताए। यह किसी भी वस्तु के गुणों व दोषों को भी दर्शाया जा सकता है; जैसे -

1. नीली साड़ी

2. प्राचीन किला

3. मुलायम कपड़ा

4. मीठा रसगुल्ला

5. खुशबू वाला फूल

6. रसीला आम

7. खट्टा आम

## संख्यावाचक विशेषण

**संख्यावाचकविशेषण :-**

जिन शब्दों से (संज्ञा या सर्वनाम) की संख्या का बोध (ज्ञान) हो,वे संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं;

जैसे- प्रथम, द्वितीय, तृतीय, एक, दो, तीन, दुगना, चौगुना आदि।

**उदाहरणके लिए -**

**2008** में सी. बी.एस.कीपरीक्षा **सात** दिनांक से आरम्भहुई **पहला** पेपर अंग्रेजीका था, **दूसरा** पेपर संस्कृतका, **तीसरा** हिन्दी,**चौथा** साईन्स व **पाँचवा** पेपर इतिहास का था।

श्यामको अपने **प्रथम** श्रेणी में पास होने की पूरी आशा है,इसके विपरीत विमलेश द्वितीय श्रेणी व विनीता को **तृतीय** श्रेणी पाने की आशा है।

जिन शब्दों को काली रेखा से अंकित किया गया है, वे संख्यावाचक विशेषण कहे जाते हैं।

**1.निश्चित संख्यावाचक**-

जो विशेषण निश्चित संख्या का बोध कराते हैं,उन्हें निश्चित संख्यावाचक विशेषण कहते हैं; जैसे-

(क)दो केले लेकर आओ।

(ख) मुझे साँतवी कक्षा में जाना है।

(ग) मेरे चार दोस्त हैं।

**2.अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण -**

जो विशेषण निश्चितसंख्या को नहीं दर्शाते (बोधकराते),वह अनिश्चित संख्यावाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे-

(क)कुछ बच्चे काम नहीं करते।

(ख)उसके पास अनगिनत किताबे हैं।

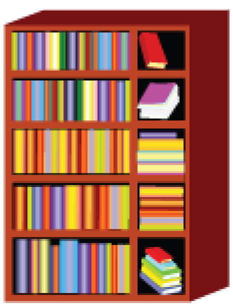

(ग) सैकड़ों की संख्या में यात्री हरिद्वार आएँ।

(घ)भारत में कई भाषाएँ बोली जाती है।

## परिमाणवाचक विशेषण

जिन विशेषण शब्दों से (संज्ञा व सर्वनाम) की मात्रा अथवा नाप तोल का ज्ञान हो, वे परिमाणवाचक विशेषण कहलाते हैं; जैसे - किलोमीटर, मीटर, किलोग्राम, आधा किलो, पाव भर, गज, सेंटीमीटर, लीटर इत्यादि; जैसे -

(क) मनीष की लम्बाई 6 फुट है।

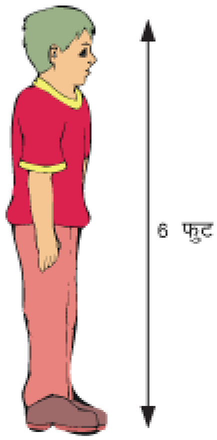


(ख) हमें 10 किलोमीटर आगे जाना है।

(ग) मैंने दर्ज़ी को चार मीटर कपड़ा दिया।

(घ) 1 लीटर दूध लेकर आना।

संख्यावाचक की तरह इसके भी दो उपभेद माने जाते हैं -

1. **निश्चित परिमाणवाचक विशेषण -**

जिन विशेषण की निश्चित मात्रा का ज्ञान हो उसे, निश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे -

(क) सूट के लिए 5 मीटर कपड़ा लगेगा।

(ख) मेरठ, दिल्ली से 130 किलोमीटर दूर है।

(ग) दिल्ली में 5000 लीटर दूध की खपत होती है।

(घ) हमारा घर 150 गज में बना है।

(ङ) 1 किलो टमाटर देना।

2. **अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण -**

जिन विशेषण शब्दों से वस्तु की अनिश्चित मात्रा का ज्ञान हो, उसे अनिश्चित परिमाणवाचक विशेषण कहते हैं; जैसे -

(क) मैं कई घंटों तक लिखता रहा।

(ख) तुम कम चाय पिया करो।

(ग) कुछ आम अपने साथ ले जाओ।

(घ) थोड़ा – सा पानी गर्म करना।

## सार्वनामिक विशेषण

जब सर्वनाम शब्द, संज्ञा से पहले लगकर उसकी विशेषता बताता है, तो उसे सार्वनामिक विशेषण कहते हैं; जैसे -

(क) वह मुम्बई गया। (इस वाक्य में 'वह' सर्वनाम है)

वह व्यक्ति मुम्बई गया। ('वह' सार्वनामिक विशेषण है)